

कला एवं मानविकी में डिग्री कोर्स—

13.1.1 स्नातक (पास) डिग्री कोर्स

मानविकी एवं समाज विज्ञान ग्रुप के ऐच्छिक विषयों इतिहास, राजनीतिक विज्ञान, भूगोल, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, दर्शन शास्त्र, भाषा एवं साहित्य (हिन्दी, संस्कृत, गुजराती, पंजाबी, राजस्थानी, तमिल, तेलगु सहित समस्त भाषा साहित्य आदि में से विद्यार्थी द्वारा चुने गए तीन ऐच्छिक विषयों एवं अनिवार्य विषयों का अध्ययन किया जाता है और इसे उत्तीर्ण करने पर विद्यार्थी को स्नातक उत्तीर्ण की डिग्री मिलती है। राजस्थान के सभी राजकीय एवं निजी कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में अधिकतर यही कोर्स संचालित होते हैं जिसकी अवधि 3 वर्ष होती है।

13.1.2. स्नातक (ऑनर्स) डिग्री कोर्स

मानविकी एवं समाज विज्ञान ग्रुप के विषयों में से किसी एक विषय के ऑनर्स डिग्री कोर्स में विद्यार्थी शिक्षण संस्था द्वारा निर्धारित अनिवार्य विषयों के अलावा तीन वर्ष में कोई एक विषय का विस्तृत अध्ययन कर विशेषज्ञता हासिल करता है जैसे बी.ए. ऑनर्स (इतिहास), बी.ए. ऑनर्स (राजनीति विज्ञान)। पास डिग्री कोर्स एक साधारण पाठ्यक्रम होता है जबकि ऑनर्स कोर्स विषय विशेषज्ञता वाला स्नातक पाठ्यक्रम होता है तथा इसे पास या साधारण (General) डिग्री कोर्स से बेहतर माना जाता है। सामान्यतः ऑनर्स कोर्स तीन साल का होता है जबकि कई विश्वविद्यालयों में इसकी अवधि चार साल की होती है। नई शिक्षा नीति के मद्देनजर ऑनर्स कोर्स डिग्री की अवधि को चार साल किया जा रहा है। स्नातक (ऑनर्स) उत्तीर्ण विद्यार्थी को स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स में प्रवेश लेकर अपने पसंदीदा विषय में स्नातकोत्तर करके अनेक क्षेत्रों में रोजगार पाने में विशेष रूप से स्कूली शिक्षा एवं कॉलेज शिक्षा में अध्ययन करवाने एवं शोध के क्षेत्र में अनेक अवसर प्राप्त होते हैं, राजस्थान में प्राइवेट विश्वविद्यालयों, कॉलेजों के साथ राजकीय कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में भी ऑनर्स डिग्री कोर्स संचालित होते हैं।

- **प्रवेश हेतु योग्यता :** बी.ए. ऑनर्स डिग्री कोर्स में प्रवेश हेतु विद्यार्थी किसी भी संकाय में 10+2 कक्षा मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से उत्तीर्ण हो। प्रवेश हेतु जिन कॉलेज या विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश होता है उनमें न्यूनतम प्रतिशत निर्धारित होते हैं।
- **प्रवेश हेतु प्रक्रिया :** बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु दो तरीके या प्रक्रियाएँ निर्धारित हैं :—
 - a) **मेरिट आधारित प्रवेश :** अधिकतर कॉलेज या विश्वविद्यालयों में बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में 10+2 परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार मेरिट से प्रवेश दिया जाता है। राजस्थान के समस्त राजकीय विश्वविद्यालय, राजकीय कॉलेज, प्राइवेट विश्वविद्यालय एवं कॉलेज में संचालित इन कोर्स में 10+2 परीक्षा के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। वहीं राजस्थान से बाहर दिल्ली विश्वविद्यालय, मुम्बई विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बद्ध कॉलेज, प्राइवेट विश्वविद्यालय एवं कॉलेज में मेरिट आधारित प्रवेश दिया जाता रहा है लेकिन सत्र 2021-22 से प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव किया जा रहा है।
 - b) **प्रवेश परीक्षा आधारित प्रवेश :** इस प्रक्रिया में संबंधित संस्थान द्वारा इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है, उक्त प्रवेश परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर मेरिट बनाकर श्रेणीवार रिक्त सीटों पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। भारत सरकार के अधीन केन्द्रीय विश्वविद्यालयों जैसे जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दयानन्द सागर विश्वविद्यालय नवीन केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित कई प्राइवेट विश्वविद्यालयों एवं अन्य राज्यों में स्थित विश्वविद्यालयों तथा सम्बद्ध कॉलेजों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2021-22 से नई शिक्षा नीति के तहत सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में समान प्रवेश नीति के तहत CUCET के माध्यम से प्रवेश दिया जाना प्रस्तावित है।

13.1.3 समेकित डिग्री कोर्स या द्वि उपाधि कोर्स

आजकल स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर नव प्रचलित पाठ्यक्रम समेकित डिग्री कोर्स (Integrated Degree Course) और द्वि उपाधि कोर्स (Dual Degree Course) भी अनेक शिक्षण संस्थाओं में संचालित हैं। Integrated Degree Course या Dual Degree Course में विद्यार्थी को दो अलग-अलग डिग्री कोर्स

का एक साथ अध्ययन करवाते हुए अंत में दो कोर्स की एक साथ डिग्री दी जाती है जैसे :-B.A. LL.B., B.A.M.A., B.S.W.M.S.W., B.A. B.ED. आदि।

13.2 पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पद्धति

स्नातक डिग्री कोर्स हेतु प्रत्येक विश्वविद्यालय द्वारा कुछ समानता के साथ अलग-अलग पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है एवं अलग-अलग अध्ययन मूल्यांकन पद्धति अपनाई जाकर यह पाठ्यक्रम सामान्यतः दो तरीकों से पूर्ण करवाया जाता है।

13.2.1 सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम एवं परीक्षा :-भारत में नवीन 14 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित अधिकतर केन्द्रीय विश्वविद्यालयों एवं राजस्थान के कई विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम व परीक्षा कार्यक्रम अपनाया है जो कि अध्ययन विषय के संबंध में विद्यार्थी की रुचि व व्यापक समझ विकसित करने के नजरिये से अच्छा है। सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम में सामान्यतः जितने वर्ष का डिग्री कोर्स होता है उसे एक-एक सेमेस्टर के हिसाब से विभाजित करके 3 साल, 4 साल एवं 5 साल के कोर्स को क्रमशः 6, 8, एवं 10 सेमेस्टर में अध्ययन करवाया जाता है तथा सामान्यतः परीक्षा का आयोजन भी सेमेस्टर आधारित अर्द्धवार्षिक होता है जिससे विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम को अच्छे तरीके से तैयार करता है।

13.2.2 वार्षिक पाठ्यक्रम एवं परीक्षा :-राजस्थान के अधिकतर राजकीय विश्वविद्यालय एवं उनसे सम्बद्ध प्राइवेट व राजकीय कॉलेज में इस परीक्षा पद्धति को अपनाया गया है, यद्यपि कई विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर प्रणाली भी है। इसमें पाठ्यक्रम का वार्षिक विभाजन करके प्रति शैक्षणिक सत्र के अंत में वार्षिक परीक्षा का आयोजन होता है जिसे उत्तीर्ण करने पर अगले वर्ष के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है जैसे बीए, बीएससी, बीकॉम प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं अंतिम वर्ष पाठ्यक्रम एवं परीक्षा। इसमें सेमेस्टर के बजाय वर्षान्त परीक्षा होती है। इस पद्धति में अनिवार्य भाषा हिन्दी एवं अंग्रेजी (राजस्थान में) के साथ स्नातक पास डिग्री कोर्स या स्नातक ऑनर्स डिग्री कोर्स में 3 विषयों के 6 प्रश्न पत्र प्रतिवर्ष आयोजित होते हैं।

13.3 स्नातकोत्तर (Post Graduate) कोर्स

मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय में स्नातकोत्तर कोर्स हेतु अनेक विषय एवं विकल्प उपलब्ध है। स्नातक डिग्री के बाद सामान्यतः द्वि वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स किया जा सकता है जैसे एम.ए. इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, संस्कृत, हिन्दी या अन्य भाषा साहित्य, मनोविज्ञान, समाज सेवा आदि। राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से यह कोर्स नियमित, स्वयंपाठी या दूरस्थ शिक्षा से किया जा सकता है।

13.4 मानविकी, समाजविज्ञान (कला संकाय) से स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्री व डिप्लोमा कोर्स

क्र. सं.	डिग्री या डिप्लोमा कोर्स एवं अवधि	कोर्स का विवरण	न्यूनतम पात्रता एवं प्रवेश प्रक्रिया	उच्च शिक्षण संस्था का नाम	कार्य (Job) एवं कार्य क्षेत्र
1.	स्नातक (पास) डिग्री कोर्स (3 वर्ष या 6 सेमेस्टर)	विभिन्न विषयों में से किन्हीं तीन एच्छिक विषयों के साथ स्नातक डिग्री कोर्स	किसी भी संकाय में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या बोर्ड से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण	केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय एवं कॉलेज,	प्रशासन, पुलिस, सेना, न्यायालय, शिक्षण संस्थाएँ, निजी कम्पनियाँ, आदि।

2.	स्नातक (ऑनर्स) डिग्री कोर्स (3 वर्ष या 6सेमेस्टर)	किसी एक मुख्य विषय सहित अन्य सहायक विषय के साथ स्नातक डिग्री कोर्स, अर्थशास्त्र ऑनर्स, इतिहास ऑनर्स आदि।	किसी भी संकाय में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या बोर्ड से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण	निजी कॉलेज एवं विश्वविद्यालय	UPSC, RPSC सहित राज्य आयोगों, SSC, RSM, SSB, RRB, IBPS, सेना, पैरा मिलिट्री फोर्स आदि की भर्तियों के लिए पात्रता।
3.	इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स या द्विउपाधि डिग्री कोर्स (BBA.LLB./ B.A. LL.B.) 5वर्ष	बी.ए.एल.एल.बी. [BA LL.B. (Honors)] कला वर्ग के विषयों एवं कानून का समेकित अध्ययन बीबीए. एल.एल.बी. (BBA LL.B.) इसमें व्यवसाय प्रबंधन एवं प्रशासन तथा कानून दोनों का समेकित अध्ययन एवं डिग्री।	किसी भी संकाय से 12वीं कक्षा कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो एवं क्लेट परीक्षा एवं अन्य प्रवे। परीक्षाओं के माध्यम से प्रवे।	केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय सरकारी एवं निजी लॉ कॉलेज या विश्वविद्यालय	न्यायालय, बैंक, शिक्षण संस्थाएँ कर, आबकारी, राजस्व विभाग, निजी कम्पनियां विधि अधिकारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला एवं सेशन न्यायाधीश, विधि सहायक, लोक अभियोजक, प्राध्यापक, वकील, एडवोकेट आदि।
4.	बी.बी.ए. [(BBA (3 Years)) Bachelor in Business Administration]	यह एक सामान्य व्यवसाय प्रबंधन एवं प्रशासन का कोर्स है।	किसी भी संकाय से 10+2 कक्षा कम से कम 45-55 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। UGAT and SET	केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय सरकारी या निजी कॉलेज या विश्वविद्यालय	सहायक मैनेजर, मानव संसाधन मैनेजर, बैंकर, ट्रेडर, ऑपरेशन मैनेजर, वित्त एवं लेखा मैनेजर कार्यालय सहायक
5	बैचलर ऑफ फैशन डिजाइनिंग / बैचलर ऑफ फैशन इंटीरियर डिजाइनिंग	फैशन डिजाइनिंग के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग कोर्स	किसी भी संकाय से 10+2 से कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण हो।	राष्ट्रीय फैशन तकनीकी संस्थान (NIFT) नई दिल्ली, NIFT मुम्बई, NIFT बैंगलोर, NIFT राजस्थान, सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालय एवं कॉलेज, राजस्थान कौशल (ILD) विश्वविद्यालय जयपुर	फैशन डिजाइनर, कॉस्ट्यूम डिजाइनर, फैशन कंसल्टेंट, फैशन इस्टाइलिश, इंटीरियर डिजाइनर
6	नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (NTT) डिप्लोमा एक वर्षीय या दो वर्षीय	अभ्यर्थी 10+2 कक्षा मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी संकाय से उत्तीर्ण हो।	कक्षा 12वीं के प्राप्तांक या प्रवे। परीक्षा के आधार पर प्रवे। (राज्यवार अलग-अलग प्रक्रिया है।)	विभिन्न राज्यों में यह कोर्स करवाया जाता है। इस कोर्स में प्रवे। लेने से पूर्व संस्था के कोर्स की एनसीटीई से मान्यता की जानकारी कर लेनी चाहिए।	राजस्थान में यह कोर्स नर्सरी टीचर की भर्ती के लिए जरूरी है जिसकी भर्ती कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए की जाती है।

7	बी.एस.टी.सी (B.S.T.C./D. El.Ed) (2 वर्ष)	शिक्षण में डिप्लोमा कोर्स D.El.Ed (सामान्य) तथा D.El.Ed (संस्कृत)	<p>1. 10+2 कक्षा किसी भी संकाय से उत्तीर्ण हो एवं Pre. B.S.T.C. परीक्षा के माध्यम से प्रवेश</p> <p>2. Pre. B.S.T.C. परीक्षा पैटर्न— प्र नपत्र चार भागों (A,B,C,D) में विभाजित होता है— भाग A-मानसिक योग्यता— 50 प्र न भाग B- राजस्थान का सामान्य ज्ञान— 50 प्र न भाग C- शिक्षण एवं अभिक्षमता— 50 प्र न भाग D-भाषा 1. अंग्रेजी—20 प्र न 2. संस्कृत/हिन्दी— 30/30 प्र न</p>	राजस्थान में स्थित समस्त राजकीय प्रशिक्षण संस्थान डाईट (DIET) एवं निजी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान	राज्य सरकार केन्द्र सरकार तथा निजी शिक्षण संस्थाओं में शिक्षक पद हेतु पात्रता
8	बी.एड (B.Ed) (2 वर्ष)	स्नातक उपाधि धारण करने के बाद शिक्षा स्नातक कोर्स में डिग्री	किसी भी संकाय में स्नातक डिग्री एवं पीटीईटी (PTET) (प्री टीचर एज्युके इन टेस्ट) के माध्यम से प्रवेश	केन्द्रीय एवं राज्य सरकार द्वारा संस्थान संचालित तथा निजी कॉलेज व विश्वविद्यालय	केन्द्र व राज्य सरकार के अधीन राजकीय विद्यालयों में शिक्षक, प्राध्यापक, प्रधानाध्यापक के पद की पात्रता एवं निजी शिक्षण संस्थानों में अवसर
9	इंटीग्रेटेड कोर्स बी.ए.+बी.एड (4 वर्षीय)	इसमें शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षण सिद्धान्तों, शिक्षण विधियों के साथ कला के विषयों हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, समाज भास्त्र का भी सेमेस्टर के अनुसार अध्ययन करवाया जाता है। यह उपयोगी कोर्स है। इसमें एक साल की बचत के साथ ही दो डिग्री कोर्स हो जाते हैं।	अभ्यर्थी 10+2 कक्षा मान्यता प्राप्त बोर्ड से 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी भी संकाय से उत्तीर्ण हो। आरक्षित वर्ग हेतु न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक जरूरी है। 12 कक्षा में अध्ययनरत अभ्यर्थी भी पात्र है।	राजस्थान में स्थित राजकीय एवं निजी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान ❖ 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स हेतु प्री.बी. ए.+बी.एड/बी.एस.सी+बी.एड टेस्ट-2021 एवं 2 वर्षीय बी.एड हेतु पीटीईटी (PTET) (प्री टीचर एज्युके इन टेस्ट)— पीटीईटी में 200 बहुविकल्पीय प्र न 600 अंक के होते हैं। ❖ परीक्षा की सामान्य अवधि 03 घण्टा की होती है। ❖ प्र नपत्र प्रारूप—(200 प्र न एवं 600 अंक) i. मानसिक योग्यता— 50 प्र न ii. शिक्षण अभिरुचि एवं अभिवृत्ति परीक्षण— 50 प्र न iii. सामान्य जागरूकता— 50 प्र न भाषायी दक्षता (हिन्दी/अंग्रेजी)— 50 प्र न	
10	बी.एस.सी.+बी.एड (4 वर्षीय)	इस कोर्स में बी.एड के विषय के साथ बी.एस.सी में विज्ञान के विषय भौतिक विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान, जूलोजी, बॉटनी का अध्ययन करवाया जाता है। इसमें एक साल की बचत के साथ दो डिग्री कोर्स हो जाते हैं।	अभ्यर्थी 10+2 कक्षा मान्यता प्राप्त बोर्ड से 50 प्रतिशत अंकों के साथ विज्ञान संकाय से उत्तीर्ण हो। आरक्षित वर्ग हेतु न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक जरूरी है।		

11	एम.ए. (M.A.) (2 वर्ष)	स्नातक डिग्री धारक विद्यार्थी मानविकी के विषयों में मास्टर डिग्री हासिल कर सकता है। अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, संस्कृत, हिन्दी, राजस्थानी, अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य सहित समस्त क्षेत्रीय भाषा साहित्य तथा कतिपय विदेशी भाषा एवं साहित्य	किसी भी संकाय से स्नातक डिग्री धारक हो।	दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, सहित समस्त केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालय, निजी एवं मान्यता प्राप्त	नेट (NET), जेआरएफ (JRF) की पात्रता प्राप्त कर कॉलेज शिक्षा में सहायक प्रोफेसर पद, स्कूली शिक्षा में प्राध्यापक, विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों में शिक्षण, अनुसंधान, आदि की पात्रता।
12	एम.एड. (M.Ed)	शिक्षण में स्नातकोत्तर डिग्री	बी.एड./शिक्षाशास्त्री/बीए. बी.एड./बी.एस.सी. बी.एड./बीएल एड परीक्षा न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण हो एवं आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंकों में 5 प्रतिशत छूट देय है।	राजस्थान में स्थित शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान एवं कॉलेज	शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्राध्यापक पद हेतु पात्रता
13	सीपीएड	शारीरिक शिक्षा में प्रमाण पत्र कोर्स अवधि 02 वर्ष	(1)10+2 कक्षा उत्तीर्ण हो। (2) पात्रता परीक्षा के प्राप्तांक व खेल प्रमाण पत्रों के अंकों की मेरिट के आधार पर प्रवेश	राजकीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, जोधपुर सहित अन्य राजकीय एवं प्राइवेट प्रशिक्षण संस्थान	शारीरिक शिक्षक
14	बी.पी.एड. (B.P.Ed) स्नातक उपाधि धारक खिलाड़ी को शारीरिक शिक्षा में स्नातक उपाधि	<p>1. मेरिट अंकों के आधार पर या लिखित, फिजिकल, खेल प्रमाण पत्रों अंकों के आधार पर प्रवेश लेकिन यह विश्वविद्यालय के अनुसार अलग-अलग प्रक्रिया है।</p> <p>2. पात्रता:-स्नातक परीक्षा में 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण एवं सरकार या खेल संघ द्वारा मान्यता प्राप्त खेलकूद प्रतियोगिता में जिला से राष्ट्रीय स्तर तक भाग लेने का प्रमाण पत्र या स्नातक उपाधि 45 प्रतिशत के साथ एवं उपर्युक्त खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान प्राप्त किया हो या सरकारी सेवा में शा.शिक्षक के रूप में कम से कम तीन वर्ष का अनुभव हो।</p> <p>3 मेरिट निर्धारण :</p> <p>i. स्नातक परीक्षा (कुल प्राप्तांक का 60 प्रतिशत) 60 अंक</p>	स्नातक डिग्री एवं मान्यताप्राप्त खेल में राज्य या राष्ट्रीय खिलाड़ी के रूप में प्रमाण पत्र धारी (मेरिट से प्रवेश)	<p><u>राष्ट्रीय स्तर पर</u></p> <p>जीआईपीईएसएस नई दिल्ली, एलएनआईपीई ग्वालियर, बीएचयू वाराणसी, एएमयू अलीगढ़, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय चण्डीगढ़, वाईएमसीए कॉलेज ऑफ पीएचवाई एज्युकेशन चेन्नई</p> <p><u>राजस्थान स्तर पर</u></p> <p>राजकीय शा. शि. महाविद्यालय जोधपुर राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर निजि शा. शि. प्रशिक्षण संस्थान</p>	राजकीय या निजी शिक्षण संस्थानों में शारीरिक शिक्षक, कोच, फिटनेस इंस्ट्रक्टर, खेल कमेंटेटर, स्पोर्ट्स

		ii. सीपीएड या किसी खेल में एक वर्षीय कोचिंग डिप्लोमा 05 अंक iii. खेल प्रमाण पत्र के अंक 35 अंक			
15	M.P.Ed	एम.पी.एड. प्रवेश हेतु मेरिट निर्धारण 1. लिखित परीक्षा—वस्तुनिष्ठ 100 अंक 2. बी.पी. एड. या शा.शि. की परीक्षा के प्राप्तांक (60 अंक) 60 अंक 3. सी.पी.एड. या किसी भी खेल में एक वार्षिक कोचिंग डिप्लोमा 05 अंक 4. खेल कूद प्रमाण पत्र धारक हेतु 35 अंक 5. प्रवेशार्थी को प्रवेश से पूर्व निम्न शारीरिक क्षमता परीक्षण उत्तीर्ण करना जरूरी है लेकिन अंक मेरिट में नहीं जुड़ेंगे। पुरुष वर्ग 12 मिनट 2400 मीटर दौड़। महिला वर्ग 12 मिनट 2000 मीटर दौड़।	बी.पी.एड. या समकक्ष डिग्री		
16	नेताजी सुभाष चन्द्र राष्ट्रीय खेल संस्थान (N.I.S. डिप्लोमा) पटियाला	विभिन्न खेलों में कोचिंग के इच्छुक खिलाड़ियों को कोच बनने हेतु राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला से संबंधित खेल में डिप्लोमा प्रदान किया जाता है जिससे वह कोच बनने के लिए पात्रता प्राप्त कर लेता है। चयन प्रक्रिया —लिखित परीक्षा 60 अंक, शैक्षणिक योग्यता 10अंक, साक्षात्कार 10अंक कुल 100 अंक। मेरिट के आधार पर चयन किया जाएगा।	1. न्यूनतम शैक्षिक एवं खेल योग्यता स्नातक उत्तीर्ण राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय खेल चैम्पियनशिप में भाग लेना या पदक जीतना 2. आयु 21 से 35 वर्ष। 3. चार श्रेणियां ओलम्पिक खेलों, विश्व चैम्पियनशिप, एशियन कॉमन वेल्थ आदि के खिलाड़ी को सीधा प्रवेश एवं न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 12वीं पास। 4. 725 सीट प्रतिवर्ष।	राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण के नेताजी सुभाष चन्द्र राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला	विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय या अन्य खेल संस्थानों में कोच, खेल प्रशिक्षक आदि।